nt>

12.05 hrs.

Title: Regarding Prime Minister's visit to Jammu & Kashmir.

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, मैं 18 और 19 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर गया था।

श्रीनगर में प्रमुखतः मेरे पांच कार्यक्रम थे। पहला, श्रीनगर हवाई अड्डे के आधुनिकीकरण की योजना का शिलान्यास करना। इस परियोजना से श्रीनगर हवाई अड्डे की क्षमता दुगुनी हो जाएगी। हम चाहते है कि श्रीनगर से अंतर्राट्रीय विमान सेवाएं शुरू हो जाएं।

दूसरा कार्यक्रम राट्रीय राजमार्ग विकास योजना से संबंधित था। इसके अंतर्गत श्रीनगर से कन्याकुमारी तक सीधी जाने वाली चार लेन हाईवे के काम का शुभारंभ किया गया। जम्मू और कश्मीर के नए मुख्यमंत्री श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद साहब का आग्रह था कि इस योजना का काम कश्मीर घाटी में जल्दी से जल्दी शुरू होना चाहिए।

मैंने आम सभा में कश्मीर की जनता को चुनाव में बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए बधाई दी। उन्होंने जान पर खेलकर वोट डाले थे। मैंने उन्हें यह आश्वासन दिया कि हम 'आपके दुःख-दर्द में शामिल होने के लिए आए हैं। आपको जो भी शिकायत हो उसको मिलकर दूर करिए। दिल्ली का दरवाजा खटखटाइए। दिल्ली अपना दरवाजा आपके लिए यहां कभी बंद नहीं करेगी। आपके लिए दिल का दरवाजा भी खुला रहेगा।"

मैंने जम्मू और कश्मीर की जनता को विश्वास दिलाया कि हम बातचीत के जरिए सभी मसलों को हल करना चाहते हैं--घर के मसले भी और बाहर के मसले भी। मैंने इस बात पर जोर दिया कि बन्दूक से मामले हल नहीं होंगे। भाईचारे से होंगे। इंसानियत, जम्हूरियत तथा कश्मीरियत इन तीन उसूलों के आधार पर हम चलें तो समस्याएं हल हो सकती हैं।

मैंने अपने भााण में पाकिस्तान के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने की भी बात की थी। साथ ही यह भी कहा था कि हाथ दोनों तरफ से बढ़ना चाहिए। दोनों फ

तरफ से फैसले होने चाहिए कि हम मिलकर चलेंगे।

* Also placed in library. See No. LT 7407/2003

मेरा अन्तिम कार्यक्रम उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन निर्माण की योजना से संबंधित था। हमारा यह संकल्प है कि सन् 2007 के 15 अगस्त से पहले कश्मीर घाटी में रेलवे ट्रेन चलने लगे।

जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के सामने सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है। हमने इसे हल करने के लिए कुछ कदम उठाये हैं। अगले दो वाँ में रोजगार तथा स्वरोजगार के एक लाख अवसर मुहैया कराए जाएंगे। इसके लिए एक विशो कार्यबल का गठन किया जाएगा जिसमें केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार, उद्योग, वाणिज्य, बैंकों तथा ि वत्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि लिए जाएंगे। यह कार्यबल आगामी 30 जून तक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर देगा तथा इसका कार्यान्वयन 15 अगस्त से शुरू हो जायेगा।

दिल्ली लौटने से पहले मैंने पत्रकार सम्मेलन में यह आशा प्रकट की कि भारत और पाकिस्तान के बीच एक नयी शुरुआत हो सकती है। मैंने कहा कि हमने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। अब देखें पाकिस्तान इसका क्या जवाब देता है। सीमा-पार से होने वाली घुसपैठ बन्द होती है और आतंकवादियों के इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्मूलन किया जाता है तो बातचीत के लिए रास्ते खुल सकते हैं। सब वियों पर बातचीत हो सकती है जिनमें जम्मू कश्मीर का विाय भी शामिल है।

____